[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..........

G

Sr. No. of Question Paper : 581

Unique Paper Code : 2132102302

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics

Name of the Course : **B.A. (Hons.) – DSC**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. भाषाविज्ञान के प्रमुख अंगों का विवेचन कीजिए। (15)

Discuss the main parts of linguistics

अथवा / OR

भाषा का अर्थ बताते हुए उसकी परिभाषा बताइये।

Explain the meaning of language and give its definition.

2. भाषाविज्ञान के अनुसार पदविज्ञान का परिचय दीजिए। (15)

Introduce terminology (पदविज्ञान) according to linguistics

अथवा / OR

संस्कृत की दृष्टि से अर्थविज्ञान का वर्णन कीजिये।

Describe semantics from Sanskrit point of view.

3. मूल भारोपीय भाषा से संस्कृत के विकास पर प्रभाव डालिए। (15

Describe the development of Sanskrit from the origin Indo-European languages.

अथवा / OR

भारतीय भाषा परिवार का परिचय दीजिए।

Introduce the Indian language family.

4. तुलनात्मक भाषा विज्ञान में संस्कृत के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। (15)

Throw light on the importance of Sanskrit in comparative linguistics.

अथवा / OR

भाषाशास्त्र के विकास में संस्कृत के योगदान को स्पष्ट कीजिये।

Explain the contribution of Sanskrit in the development of philology.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक संस्कृत में हो- (7.5×4=30)

- मूल भाषा
- शब्द के प्रकार
- प्राकृत
- ध्वनिपरिवर्तन के कारण
- पाणिनि - भिन्न व्याकरण सम्प्रदाय
- भाषा विज्ञान का नामकरण

Write a comment on **any four** of the following, one of which should be in Sanskrit –

- Original language
- Types of sentences
- Prakrit
- Reasons for sound change
- Panini–different grammar schools
- Nomenclature of linguistics

6

[This question paper contains 4 printed pages.] 2024

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....................

G

Sr. No. of Question Paper : 751

Unique Paper Code : 2133102002

Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda

Name of the Course : B.A. (Hons)

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answers **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अपवाद आवश्यकता न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आयुर्वेद के आचार्य चरक का उल्लेख करते हुए उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए। (20)

Discuss about the aacharya caraka of āyurveda and explain their Contribution.

अथवा / OR

आयुर्वेदावतरण का विस्तृत वर्णन कीजिए।

Describe the ayurvedavatarana in detail.

2. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए (20)

Write short notes on **any** two of the following topics

(i) हेमन्त ऋतुचर्या (Regimen of winter seasons)

(ii) वसन्त ऋतुचर्या (Regimen of spring seasons)

(iii) शरद् ऋतुचर्या (Regimen of autumn seasons)

अथवा / OR

आयुर्वेद के अनुसार आहार और विरुद्धाहार की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

Explain the ayurveda concept of ahara and viruddhāhāra.

3. तैत्तिरीयोपनिषद्-भृगुवल्ली में वर्णित पञ्चकोश का वर्णन कीजिए। (20)

Describe the pancakosa as depicted in the Bhrguvalli of Taittiriyopaniṣad in detail.

अथवा / OR

माधवनिदान एवं शार्ङ्गधरसंहिता पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

Write detailed notes on Madhavanidāna and sarnagadharasamhita.

4. आयुर्वेद के अनुसार ऋतुचर्या का वर्णन कीजिए। (15)

Describe the 'seasonal regimen' according to Ayurveda.

अथवा / OR

निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on **any three** of the following topics :

(i) हल्दी (haridra)

(ii) भृंगराज (bharngaraja)

(iii) हरितकी (haritaki)

(iv) अश्वगन्धा (Aswagandha)

5. आयुर्वेद की पुनर्वसु परम्परा का विस्तृत वर्णन कीजिए। (15)

Describe the punarvasu tradition of ayurveda in detail.

अथवा / OR

निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on **any two** of the following topics :

(i) आकृति परीक्षण (Examination of appearance)

(ii) जिह्वा परीक्षण (Tongue Examination)

(iii) नाड़ी परीक्षण (Pulse Examination)

[This question paper contains 4 printed pages.]

LIBRARY

Your Roll No. 2022...

Sr. No. of Question Paper : 960

Unique Paper Code : 2132202302

Name of the Paper : Gita and Upanisad

Name of the Course : **B.A. with Sanskrit, DSE**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. **All questions are compulsory.**

3. Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. अत्यन्त आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं छः प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए।

Answer any six of the following questions in brief. (6×3=18)

(i) गीता का परिचय दीजिए।

(ii) ऋषि और मुनि में क्या भेद है?

(iii) स्थितप्रज्ञ से क्या आशय है?

(iv) प्रश्नपत्र में निर्दिष्ट मन्त्रों/श्लोकों के अतिरिक्त कोई एक कण्ठस्थ श्लोक या मन्त्र लिखिए।

(v) उपनिषद् से आप क्या समझते हैं व्युत्पत्ति लभ्य अर्थ बताइए।

(vi) अपने पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट उपनिषद् का परिचय दीजिए।

(vii) 'भुञ्जीथाः' पद में लकार, पुरुष एवं वचन बताइए।

(viii) ईशावास्यमिदं सर्वं मन्त्र में कौन-सा छन्द है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए ।

Explain **any five** of the following with context. (5×5=25)

(i) अन्तवन्त इमे देहा नित्यस्योक्ताः शरीरिणः ।
अनाशिनोऽप्रमेयस्य तस्माद्युध्यस्व भारत ॥

(ii) व्यवसायात्मिका बुद्धिरेकेह कुरुनन्दन ।
बहुशाखा ह्यनन्तश्च बुद्धयोऽव्यवसायिनाम् ॥

(iii) प्रसादे सर्वदुःखानां हानिरस्योपजायते ।
प्रसन्नचेतसो ह्याशु बुद्धिः पर्यवतिष्ठते ॥

(iv) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः ।
एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे ॥

(v) हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम् ।
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये ॥

(vi) अग्ने नय सुपथा राये अस्मान्विश्वानि देव वयुनानि विद्वान् ।
युयोध्यस्मज्जुहुराणमेनो भूयिष्ठां ते नम उक्तिं विधेम ।

3. निम्नलिखित में से **तीन विषयों** को संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए ।

Write a short **note on three** of the following topics. (3×5=15)

(i) स्थितप्रज्ञ ।

(ii) योग: कर्मसु कौशलम् ।

(iii) ईशावास्योपनिषद् के अनुसार जगत्।

(iv) तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा: ।

4. गीता को दृष्टि में रखते हुए आत्मा के स्वरूप, विशेषताओं और प्रकृति को स्पष्ट कीजिए । (16)

Elucidate the character, characteristics and nature of Atman on the basis of Gita.

अथवा /OR

ज्ञानयोग क्या है ? इसका सम्बन्ध भक्तियोग से स्थापित कीजिए।

What is Jnana Yoga ? Establish its relation with *Bhakti Yoga*.

5. ईशावास्योपनिषद् के आधार पर आत्मा का वर्णन कीजिए। (16)

Describe Atman on the basis of Isavasyopanisad.

अथवा /OR

उपनिषदीय ब्रह्म के स्वरूप एवं कार्य-स्थिति को निबन्धित कीजिए।

Write an essay on the nature and functioning of the Upanisadic *Brahman*.

(8)

[This question paper contains 8 printed pages.] 2024

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5242 G

Unique Paper Code : 12131301

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature

Name of the Course : B.A. (H) Sanskrit - Core

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र को मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (3×4=12)

Translate the following :

(क) अनाहारे तुल्यः प्रततरुदितक्षामवदनः

शरीरे संस्कारं नृपतिसमदुःखं <u>परिवहन्</u> ।

दिवा वा रात्रौ वा <u>परिचरति</u> यत्नैर्नरपतिं

नृपः प्राणान्सद्यस्त्यजति यदि तस्याप्युपरमः ॥

अथवा / OR

किं <u>वक्ष्यतीति</u> हृदयं परिशङ्कितं मे

कन्या <u>मयाप्यपहृता</u> न च रक्षिता सा ।

भाग्यैश्चलैर्महदवाप्त<u>गुणोपघातः</u>

पुत्रः पितुर्जनितरोष इवास्मि भीतः ॥

(ख) या सृष्टिः स्रष्टुराद्या, वहति विधिहुतं या हविर्या च होत्री

ये द्वे कालं विधत्तः श्रुतिविषयगुणा या स्थिता व्याप्य विश्वम्।

यामाहुः सर्वबीजप्रकृतिरिति यया प्राणिनः प्राणवन्तः

प्रत्यक्षाभिः प्रपन्नस्तनुभिरवतु वस्ताभिरष्टाभिरीशः॥

अथवा / OR

अभिजनवतो भर्तुः श्लाघ्ये स्थिता गृहिणीपदे

विभवगुरुभिः कृत्यैस्तस्य प्रतिक्षणमाकुला।

तनयमचिरात् प्राचीवार्कं प्रसूय च पावनं

मम विरहजां न त्वं वत्से! शुचं गणयिष्यसि॥

(ग) भेतव्यं नृपतेस्ततः सचिवतो राज्ञस्ततो वल्लभाद्

अन्येभ्यश्च वसन्ति येऽस्य भवने लब्धप्रसादा विटाः।

दैन्यादुन्मुखदर्शनापलपनैः पिण्डार्थमायस्यतः

सेवां लाघवकारिणीं कृतधियः स्थाने श्ववृत्तिं विदुः॥

अथवा / OR

P.T.O.

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ।

स [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] ॥

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (3×6=18)

Explain the following with reference to context :

(क) परिहरतु भवान् नृपापवादं

न परुषमाश्रमवासिषु प्रयोज्यम् ।

नगरपरिभवान् विमोक्तुमेते

वनमभिगम्य मनस्विनो वसन्ति ॥

अथवा / OR

कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले

रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति ।

एवं लोकस्तुल्यधर्मो वनानां

काले-काले छिद्यते रुह्यते च ॥

(ख) अर्थो हि कन्या परकीय एव

तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः ।

जातो ममायं विशदः प्रकामं

प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा ॥

अथवा / OR

अस्य त्वया व्रणविरोपणमिङ्गुदीनां

तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे ।

श्यामाकमुष्टिपरिवर्धितको जहाति

सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते ॥

(ग) उपलशकलमेतद्भेदकं गोमयानां

बटुभिरुपहृतानां बर्हिषां स्तूपमेतत् ।

शरणमपि समिद्भिः शुष्यमाणाभिराभिः

विनमितपटलान्तं दृश्यते जीर्णकुड्यम् ॥

अथवा / OR

ये याताः किमपि प्रधार्य हृदये पूर्वं गता एव ते

ये तिष्ठन्ति भवन्तु तेऽपि गमने कामं प्रकामोद्यमाः ।

एका केवलमेव साधनविधौ सेनाशतेभ्योऽधिका

नन्दोन्मूलनदृष्टवीर्यमहिमा बुद्धिस्तु मा गान्मम ॥

3. निम्नलिखित में से किसी एक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :

Explain any **one** of the following in **Sanskrit** :

चीयते बालिशस्यापि सत्क्षेत्रपतिता कृषिः ।

न शालेः स्तम्बकरिता वप्तुर्गुणमपेक्षते ॥

अथवा / OR

गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चादसंस्तुतं चेतः ।

चीनांशुकमिव केतोः प्रतिवातं नीयमानस्य ॥

अथवा / OR

[illegible] [illegible] च सोत्साहास्तेषु जायते ।

प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते ॥

4. प्रश्न संख्या प्रथम के रेखांकित पदों से किन्हीं चार पर व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिए। (2×4=8)

Write grammatical notes on any **four** of the underlined word from the question number one.

5. राक्षस के द्वारा चन्द्रगुप्त को मारने के लिए प्रयुक्त विविध उपायों का वर्णन कीजिए। (1×15=15)

Describe the various plans that were executed by Raksasa in attempts to kill Chandragupta.

अथवा / OR

'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के नामकरण पर प्रकाश डालते हुए ब्रह्मचारी के आगमन का महत्व समझाइए।

While throwing the light on the name of the drama 'Svapnavasavadattam' explain the importance of arrival of Brahmachari.

अथवा / OR

अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक का महत्व बताइए।

Bring out the importance of the fourth act of 'Abhijnanasakuntalam'.

6. संस्कृतनाटकों के स्वरूप का वर्णन कीजिए। [illegible]

Discuss the nature of Sanskrit drama.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

शूद्रक, श्रीहर्ष, कालिदास, विशाखदत्त

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No. ....

2024 LIBRARY

G

Sr. No. of Question Paper : 5311

Unique Paper Code : 12131302

Name of the Paper : Poetics and Literary Criticism

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. सभी प्रश्नों को उत्तर दीजिए।

1 संस्कृत साहित्यशास्त्र के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। (10)

Discuss the origin and development of Sanskrit Poetics.

अथवा / OR

मम्मट के अनुसार काव्यप्रयोजन की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the Kavya Prayojan (काव्य-प्रयोजन) according to Mammata.

2 संस्कृत साहित्यशास्त्र को आचार्य विश्वनाथ के योगदान पर प्रकाश डालिए। (10)

Describe the contribution of Acharya Vishvanath to Sanskrit Poetics.

अथवा / OR

कथा और आख्यायिका का परिचय देते हुए दोनों के अंतर को बताइए।

Introduce Katha and Akhyayika and discuss the differences between the two.

2. साहित्यदर्पण के अनुसार खण्डकाव्य और चम्पूकाव्य का परिचय दीजिए। (10)

Write an introduction to khandkavya and Champukavya according to Sahityadarpana.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the followings :

(i) काव्य-हेतु

(ii) साहित्यशास्त्र

(iii) काव्य-लक्षण

(iv) रूपक

4. काव्यप्रकाश के अनुसार शब्दशक्ति के रूप में व्यंजना की समीक्षा कीजिए। (II)

Critically examine Vyanjana as Shabdshakti according to Kavyaprakash.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the followings :

(i) अभिधा

(ii) तात्पर्यार्थ

(iii) उपादानलक्षणा

(iv) गंगायां घोषः

5. भरत के रससूत्र की उत्पत्तिवाद-व्याख्या का मूल्यांकन कीजिए। (II)

Evaluate the explanation of Utpattivad on Bharata's Rasasutra.

अथवा / OR

रस की अलौकिकता पर प्रकाश डालिए।

Discuss the transcendental Nature (Alaukikata) of Rasa.

3. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए जिनमें से एक संस्कृत में हो- (5×2=10)

Write the Definition of any two of the following figures of speech with example; out of which **one** must be in **Sanskrit** -

यमक, संदेह, उल्लेख, विभावना, दृष्टांत

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों में अलंकार का लक्षण घटित करते हुए नाम निर्देश कीजिए : (3×2=6)

Explain and name of the figures of speech used in any **two** of the following verses :

(i) प्रतिकूलतामुपगते हि विधौ विफलत्वमेति बहुसाधनता ।

अवलम्बनाय दिनभर्तुरभून्न पतिष्यतः करसहस्रमपि ॥

(ii) गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चादसंस्तुतं चेतः ।

चीनांशुकमिव केतोः प्रतिवातं नीयमानस्य ॥

(iii) स्वयमाहृत्य भुञ्जाना बलिनोऽपि स्वभावतः

गजेन्द्राश्च नरेन्द्राश्च प्रायः सीदन्ति दुःखिताः ॥

(iv) आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम् ।

बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः ॥

7. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो छन्दों का लक्षण एवं गणनिर्देश पूर्वक उदाहरण दीजिए : (3×2=6)

Define and illustrate any two of the following Meters :

अनुष्टुप्, वसन्ततिलका, शार्दूलविक्रीडित, उपजाति

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में गणविवेचन करते हुए छन्द का नाम बताइए : (2×2=4)

Scan and name the meter in any **two** of the followings :

(i) कः पौरवे वसुमतीं शासति शासितरि दुर्विनीतानाम्

अयमाचरत्यविनयं मुग्धासु तपस्विकन्यासु ॥

(ii) यदि यथा वदति क्षितिपस्तथा

त्वमसि किं पितुरुत्कुलया त्वया ।

अथ तु वेत्सि शुचि व्रतमात्मनः

पतिकुले तव दास्यमपि क्षमम् ॥

(iii) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलतां

यदर्धे विच्छिन्नं भवति कृतसन्धानमिव तत् ।

प्रकृत्या यद्वक्रं तदपि समरेखं नयनयो-

र्न मे दूरे किञ्चित्क्षणमपि न पार्श्वे रथजवात् ॥

(iv) तीव्राघातप्रतिहततरुस्कन्धलग्नैकदन्तः

पादाकृष्टव्रततिवलयासङ्गसञ्जातपाशः ।

मूर्तो विघ्नस्तप इव नो भिन्नसारङ्गयूथो

धर्मारण्यं प्रविशति गजः स्यन्दनालोकभीतः ॥

10

[This question paper contains 4 printed pages.]

LIBRARY

Your Roll No. 2024

G

Sr. No. of Question Paper : 5475

Unique Paper Code : 12131303

Name of the Paper : Indian Social Institutions & Polity

Name of the Course : **B.A. Hons. LOCF, Sanskrit**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अधोलिखित में से किन्हीं **चार** के उत्तर दें- (15×4=60)

Answer any **four** from the following :

(i) प्राचीन भारतीय विवाह-व्यवस्था पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Ancient Indian marriage System.

(ii) प्राचीन भारत में सामाजिक संस्थाओं की विवेचना करें।

Explain the Social Institutions in ancient India.

(iii) संस्कृत साहित्य में धर्म विषयक प्रमुख सिद्धान्तों की विवेचना करें।

Elucidate cardinal theories on Dharma in Sanskrit Literature.

(iv) वेदों से बुद्ध तक राजनीति के विकास की प्रक्रिया की समीक्षा कीजिए।

Critically analyze the development of Polity from Vedas to Buddha.

(v) भारतीय राजशास्त्र का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

Give the introduction of Indian polity.

(vi) राजनीतिशास्त्र के उद्भव तथा विकास पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on origin and development of Indian Polity.

2. किन्हीं तीन पर टिप्पणी करें- (3×3=9)

Comment upon any **three** of the following :

पञ्चयज्ञ, षोडश संस्कार, सप्ताङ्ग सिद्धांत, प्राचीन भारत में स्त्री

3. निम्नलिखित में से किसी एक की संस्कृत व्याख्या करें- (1×6=6)

Explain any **one** of the following in Sanskrit –

(i) अराजके हि लोकेऽस्मिन् सर्वतो विद्रुते भयात् ।

रक्षार्थमस्य सर्वस्य राजानमसृजत्प्रभुः ॥

(ii) सोमस्तासामदाच्छौचं गन्धर्वः शिक्षितां गिरम् ।

अग्निश्च सर्वभक्षित्वं तस्मान्निष्कल्मषाः स्त्रियः ॥

(iii) वेदः स्मृतिः सदाचारः स्वस्य च प्रियमात्मनः ।

एतच्चतुर्विधं प्राहुः साक्षाद्धर्मस्य लक्षणम् ॥